मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

MHN–009

एम. ए. हिन्दू अध्ययन (एम. ए. एच. एन.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

एम.एच.एन.-009 : राजव्यवस्था तथा प्रशासन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिए गए निर्देशानुसार ही प्रश्न के उत्तर दीजिए।*

खण्ड—क $4 \times 15 = 60$

निर्देश—निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. राजशास्त्र के उद्‌भव एवं विकास पर निबन्ध लिखिए।
2. क्या राजशास्त्र के अर्वाचीन विचारकों से आप सहमत हैं ? समीक्षात्मक वर्णन कीजिए।
3. गुप्तचर व्यवस्था से क्या समझते हैं ? पठित अंश के आधार पर वर्णन कीजिए।
4. मन्त्रिपरिषद् की व्यवस्था का विस्तार से वर्णन कीजिए।

5. प्राचीन भारतीय राजव्यवस्था में विधि के स्वरूप का वर्णन करते हुए उसके अनुप्रयोग का वर्णन कीजिए।
6. अपराध को परिभाषित कीजिए तथा पठित अंश के आधार पर अपराध-विधि का वर्णन कीजिए।
7. प्रजा सुख क्या है ? विस्तार से लिखिए।
8. भारतीय मत में राष्ट्र के स्वरूप की व्याख्या प्रस्तुत कीजिए।

खण्ड—ख $4\times10=40$

निर्देश—निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. राजशास्त्र के विचारक के रूप में मनु का मूल्यांकन प्रस्तुत कीजिए।
2. सिद्ध कीजिए कि वाल्मीकि प्राचीन भारतीय राजशास्त्र के विचारक हैं।
3. भारतीय मत में राष्ट्र के स्वरूप का समीक्षात्मक वर्णन कीजिए।
4. दण्ड-व्यवस्था का सोदाहरण निरूपण कीजिए।
5. मन्त्रिपरिषद् के स्वरूप का वर्णन कीजिए।
6. षाड्गुण्य उपाय पर टिप्पणी लिखिए।
7. प्राचीन भारतीय राजव्यवस्था में कौटिल्य के मतों का मूल्यांकन कीजिए।

× × × × ×